स्वामी श्री तारकेश्वरानंद तीर्थ वेदांत व्याख्यान माला 25-04-2017

''वेदांत – एक जीवन पद्धति''

वेदांत ही एकमात्र साधन है, जिससे सामाजिक, आध्यात्मिक व अन्य लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है। जैसी गुरू में श्रद्धा होगी, फल भी वैसा ही प्राप्त होगा। गुरू का आशीर्वाद भौतिक व आध्यात्मिक रूप से हमेशा साथ बना रहता है। यही वजह है कि भारतीय मूल्यों में गुरू और शिष्य की परंपरा का सभी जगह उल्लेख मिलता है। यह बात रादुविवि के कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने कही। अवसर था रादुविवि के दर्शन शास्त्र विभाग में आयोजित स्वामी श्री तारकेश्वरानंद तीर्थ वेदांत व्याख्यानमाला के आयोजन का। जहां वेदांत एक जीवन पद्धति विषय पर अतिथियों ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. जटाशंकर ने कहा कि वेदांत भारतीय संस्कृति के रग–रग में है। इसकी सबसे प्रचलित मान्यता है कि यह जगत एक मिथ्या है और ब्रम्ह सत्य है। इस आद्य गुरू शंकराचार्य से लेकर प्राचीनकाल में ऋषि–मुनियों, भारतीय मनीषियों से लेकर पाश्चात्य विद्वानों ने अपने–अपने अनुसार परिभाषित किया है। त्यागपूर्ण जीवन जीने का संदेश, अधिकार, दायित्व और कर्तव्यों के सूत्र में बंधकर वेदांत परंपरा आगे बढ़ती जा रही हैं।

वेदान्त एक जीवन पद्धति विषय पर आधारित व्याख्यान माला में कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर भरत तिवारी, आचार्य एवं अध्यक्ष दर्शन एवं योग विभाग द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं स्वामी तारकेश्वरानंद तीर्थ के जीवन परिचय को प्रस्तुत किया गया।

त्याग और भाव महत्वपूर्ण

सारस्वत अतिथि अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राधिका मिश्र ने बताया कि जीवन में त्याग और भाव का बहुत महत्व है। जल में कमल की तरह रहने से ही जीवन सफल हो सकता है। विशिष्ट अतिथि महानिरीक्षक, पंजीयन रजिस्ट्रेशन व स्टाम्प विभाग मप्र शशि शेखर शुक्ल ने गुरू की प्रेरणा को ही सर्वोपरि बताया।

संचालन डॉ. देवेन्द्र कुमार जाटव द्वारा व आभार प्रदर्शन यज्ञनारायण सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. सी.एस.एस. ठाकुर, प्रो. राजीव दुबे, प्रो. प्रहलाद, प्रो. एस. एस. राणा, डॉ. पास्कल बैक, डॉ. विजय सिंह, डॉ. राकेश गोस्वामी, डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. वंदना यादव, रश्मि पटेल, डॉ. राहुल वर्मा, सुदीप जैन, ब्रजेश सिंह व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

समन्वयक

25/4/17

प्रोफेसर भरत कुमार तिवारी
आचार्य एवं अध्यक्ष
दर्शन एवं योग विभाग
रा.दु.वि.वि.,जबलपुर

प्रति,

सिस्टम मैनेजर
कम्प्यूटर सेन्टर
रा.दु.वि.वि.,जबलपुर